वेद-वार्ता

महर्षि-सान्दीपनि-राष्ट्रीय-वेदविद्या-प्रतिष्ठान उज्जैन की पत्रिका

News letter of Maharshi-Sandipani-Rashtriya-Vedavidya-Pratishthana,Ujjain

विक्रम संवत् 2077 | सितम्बर 2018 से मार्च 2020 तक | सयुक्तांक | कुल पृष्ठ संख्या – 16

समाचार संकेतिका

- साचिव्यम् पृष्ठ-1
- मान्यता प्राप्त वि.वि. पृष्ठ-2
- 42 वीं शास्री परिषद पृष्ठ-3
- 43 वीं शास्री परिषद पृष्ठ-4
- परीक्षा मान्यता पृष्ठ-5
- कार्यशाला, परीक्षाएँ फेसबुक पेज पृष्ठ-6
- स्वतन्त्रता दिवस पृष्ठ-7
- 33 वाँ स्थापना दिवस पृष्ठ-8
- वेद के महत्त्व को जन मानस तक पहुंचाने हेतु योजनाएँ पृष्ठ-9
- अ.भा. वैदिक सम्मेलन, वेदज्ञान सप्ताह, अभा वैदिक संगोष्ठी, सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ पृष्ठ-10-13
- राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय पृष्ठ- 14
- सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ , उज्जैन पृष्ठ- 15
- भावी दृष्टि-पथ पृष्ठ-16

साचिव्यम्

प्रिय पाठकों। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान अपने छात्रों एवं अध्यापकों में उच्चत्तर गुणवत्ता युक्त शिक्षा व्यवहार तथा स्वावलम्बन लाने की दृष्टि से वेद अध्यापकों को समय-समय पर प्रतिष्ठान परिसर में आहूत कर वेद शाखाओं के निष्णात् विद्वानों के सान्निध्य में शाखा स्वाध्याय के माध्यम से अध्यापन कौशल विस्तार के साथ ही अन्य अनुषांगिक प्रासंगिक विषयों पर सामूहिक चर्चा परिचर्चा के माध्यम से अपने-अपने ज्ञान का अनुभव का आदान-प्रदान कर, शैक्षिक व्यवस्था को सुदृढ तथा लक्ष्ययुक्त बनाने की दिशा में अग्रसर होते हैं। लक्ष्य का तात्पर्य है कि शब्द ब्रह्म वेदों की अनादि काल से अविच्छिन्न मौखिक पंरपरा चली आ रही है। काल की गति एवं क्षेत्र अंतर से उच्चारण भेजना हो सके किसी गुरु के अन्तःवासी शिष्य अधिक संख्या में उत्तीर्ण नहीं हो पाते हैं इसलिए अध्यापकों के तत् शाखा स्वाध्याय एवं मूल परम्परागत उच्चारण की व्यवस्था को सुदृढ करना उद्देश्य होता है। इस उच्च स्तरीय कार्यशाला के माध्यम से विगत कुछ वर्षों में वैदिक शिक्षा तथा परम्परा का अप्रत्याशित लाभ हुआ है। साथ ही गुरु सान्निध्य में छात्रों को मूल विद्या के अतिरिक्त विभिन्न क्षेत्रों की पृथक् मान्यताएं पारंपरिक सामाजिक रीति रिवाज आदि व्यवस्थाओं का आदान प्रदान के माध्यम से अध्यापकों की शैक्षिक योग्यता के साथ ही व्यावहारिक तथा सामाजिक ज्ञान का पल्लवन करना इसलिए महत्त्वपूर्ण होता है कि परम्परागत वैदिक शिक्षा के क्षेत्र में छात्र तथा अध्यापक का अत्यन्त आत्मिक सम्बन्ध होता है। गुरु का हृदय जितना अधिक ज्ञान कर्म तथा व्यवहार से परिष्कृत होगा उतना ही छात्रों को उनके माध्यम से विद्या संस्कार कारण तथा व्यवहार का उच्च स्तरीय व्यक्तित्व प्राप्त होगा। वैदिक परम्परा में गुरु शिष्य परस्पर मानसिक रूप से इतना एक होते हैं कि गुरु के चिन्तन का प्रभाव शिष्य के मन पर सीधा पडता है आधुनिक समाज के लिए यह विषय बहुत ही कौतुहल का है कि गुरु के चिन्तन का प्रभाव गुरु शिष्य पर कैसे पड सकता है, पर यह संपूर्ण सत्य है। अध्यापकों का समय-समय पर शैक्षिक तथा सामूहिक वेदाभ्यास आदि का मूल उद्देश्य यही है कि वैदिक परम्परा की और छात्रों को परम्परागत उच्च स्तरीय उच्चारण पद्धति एवं अध्ययन शैली की गुणवत्ता से परिपुष्ट करने की दृष्टि से अग्रसर होते रहें। जिस प्रकार समुद्र के जल को संग्रह कर प्रकृति में बादल का जो महत्त्व है वही महत्त्व गुरु का है जो ज्ञान को संग्रहित कर अपने अंतेवासियों को प्रेरित करते हैं। प्रतिष्ठान परिसर में विशेषज्ञ विद्वानों के सान्निध्य में वेद पाठ प्रशिक्षण के साथ ही जीवन मूल्य कर्त्तव्य एवं आहार-विहार व्यवहार तथा जीवन के कई इकाइयों को दृष्टि में रखते हुए परस्पर चर्चा के माध्यम से व्यक्तित्व विकास करने का शुभ अवसर वेद अध्यापकों को प्राप्त करने की व्यवस्था की जाती है। आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि इस महनीय कार्य से अध्यापकों में अपने कर्त्तव्यों का बोध निरन्तर आ रहा है। जिसके फलस्वरूप निर्धारित विषयों में छात्रों की प्रवृत्ति में क्रमशः वृद्दि होने से गुणवत्ता युक्त शिक्षा का विकास हो रहा है।

प्रो.विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल्
(सचिव)

भारतवर्ष के अधोलिखित विधि द्वारा स्थापित विश्वविद्यालयों ने प्रतिष्ठान की वेद-भूषण को कक्षा 10 वीं तथा वेद-विभूषण को 12वीं कक्षा के समकक्ष मान्यता प्रदान करके वेद-विभूषण को स्नातक (शास्त्री) कक्षा में प्रवेश की योग्यता प्रदान की है।

01. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (नईदिल्ली)
02. श्री वेंकटेश्वर वेद विश्वविद्यालय, तिरुपति (आन्ध्रप्रदेश)
03. राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति (आन्ध्रप्रदेश)
04. कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलूरु (कर्नाटक)
05. श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी (ओडिशा)
06. जगदगुरु रामानन्दाचार्य राजस्थान संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर (राजस्थान)
07. श्री चन्द्रशेखरेन्द्र सरस्वती विश्वमहाविद्यालय, कांचीपुरम् (तमिलनाडु)
08. महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक (हरियाणा)
09. गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
10. उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)
11. इलाहाबाद विश्वविद्यालय, इलाहाबाद (उत्तरप्रदेश)
12. इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, (नईदिल्ली)
13. पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ (पंजाब)
14. कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय, दरभंगा (बिहार)
15. श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (नई दिल्ली)
16. कुमार भास्कर वर्मा संस्कृत एवं प्राचीन अध्ययन विश्वविद्यालय (असम)
17. हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय, शिमला (हिमाचल प्रदेश)
18. संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी (उत्तरप्रदेश)
19. महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, उज्जैन (मध्यप्रदेश)

नामांकनसंख्या En. No. क्रमांक : Sr. No.
महर्षिसान्दीपनिराष्ट्रियवेदविद्याप्रतिष्ठानम्, उज्जयिनी
MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDAVIDYA PRATISHTHAN, UJJAIN
(मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयः, भारतसर्वकारस्याधीनम्)
(Under the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India)
वेदविभूषण–प्रमाणपत्रम्
CERTIFICATE OF VEDAVIBHUSHAN
श्री ____ पुत्रः श्री ____
श्रीमती ____ सङ्कल्पितपाठ्यं सम्यगधीत्य वेदविभूषणपरीक्षायां परीक्षितः,
____ श्रेण्यां समुत्तीर्णः इति प्रमाणीक्रियते।
This is to certify that Shri ____ Son of Shri ____
Smt. ____ successfully studied and passed the examination of
"VEDA-VIBHUSHAN" in Division in ____ division.
जन्मतिथिः / Date of Birth ____
वेदविषयः / Subject
वेदः शाखा च / Veda and Shākhā ____
अन्याधीतविषयाः: संस्कृतम्, गणितम्, सामाजिकविज्ञानम्, आङ्ग्लभाषा
Other Studies subjects : Sanskrit, Mathematics, Social Science, English
दिनाङ्क / Date :

नामांकनसंख्या En. No. क्रमांक : Sr. No.
महर्षिसान्दीपनिराष्ट्रियवेदविद्याप्रतिष्ठानम्, उज्जयिनी
MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDAVIDYA PRATISHTHAN, UJJAIN
(मानवसंसाधनविकासमन्त्रालयः, भारतसर्वकारस्याधीनम्)
(Under the Ministry of Human Resource Development, Govt. of India)
वेदभूषण–प्रमाणपत्रम्
CERTIFICATE OF VEDABHUSHAN
श्री ____ पुत्रः श्री ____
श्रीमती ____ सङ्कल्पितपाठ्यं सम्यगधीत्य वेदभूषणपरीक्षायां परीक्षितः,
____ श्रेण्यां समुत्तीर्णः इति प्रमाणीक्रियते।
This is to certify that Shri ____ Son of Shri ____
Smt. ____ successfully studied and passed the examination of
"VEDA-BHUSHAN" in Division in ____ division.
जन्मतिथिः / Date of Birth ____
वेदविषयः / Subject
वेदः शाखा च / Veda and Shākhā ____
अन्याधीतविषयाः: संस्कृतम्, गणितम्, सामाजिकविज्ञानम्, आङ्ग्लभाषा
Other Studies subjects : Sanskrit, Mathematics, Social Science, English
दिनाङ्क / Date :

देश के लगभग शताधिक विश्वविद्यालयों/संस्थानों तथा परिषदों को वेद-भूषण एवं वेद-विभूषण पाठ्यक्रम की स्वीकृति के सन्दर्भ में पत्राचार किया गया है। जिससे प्रतिष्ठान में अध्ययनरत छात्रों के प्रवेश स्नातक स्तर पर किए जा सकें।

- **अध्यक्ष** : श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक'
  माननीय केन्द्रीय मन्त्री – महोदय
  (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार)
- **उपाध्यक्ष** : प्रो. देवीप्रसाद त्रिपाठी
  माननीय उपाध्यक्ष
  महर्षि-सान्दीपनि-राष्ट्रीय-वेदविद्या-प्रतिष्ठान
- **प्रधान-सम्पादक** : प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्
  (सचिव-महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान)
- **सम्पादक** : डॉ.अनूप कुमार मिश्र
  (अनुभाग अधिकारी (प्र.)-महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान)
- **तकनीकी सहयोग** : श्री अर्पित पुरोहित, श्रीमती मिताली रत्नपारखी
  (डी.ई.ओ. - महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान)

प्रकाशक : महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान (शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006
दूरभाष : (0734) 2502266, 2502254, 2502255, फैक्स : (0734) 2502253
E-mail : msrvvpujn@gmail.com, website - www.msrvvp.ac.in

प्रतिष्ठान की 42 वीं शासी परिषद में लिए गए महत्त्वपूर्ण निर्णय

प्रतिष्ठान की दिनांक 17 जनवरी 2020 को माननीय मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार एवं प्रतिष्ठान के **माननीय अध्यक्ष श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक'** की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई 42वीं शासी परिषद की बैठक का शुभारंभ प्रो.विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल एवं प्रो.एस.वेणुगोपालन के वैदिक मंगलाचरण से हुआ। प्रतिष्ठान के सचिव एवं शासी परिषद के सदस्य-सचिव ने माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री एवं माननीय अध्यक्ष एवं समस्त उपस्थित माननीय समिति सदस्यों का स्वागत किया। परिषद में हुए कुछ महत्त्वपूर्ण निर्णय निम्न लिखित हैं।

01. शासी परिषद ने पद,क्रम, जटा, घन, ब्राह्मण-ग्रन्थ, प्रातिशाख्य, वेद भाष्य, वेदाड्ग, वेद अध्यापन प्रशिक्षण आदि में नये वेद पाठ्यक्रमों को प्रतिष्ठान मुख्यालय में संचालित करने के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की।

02. जिन विद्यार्थियों को वेदों के ज्ञान की गुणवत्ता है उन्हें शोध की सुविधाओं का प्रावधान करना और उनमें पर्याप्त वैज्ञानिक और विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करना, जिससे कि वेदों में जो आधुनिक वैज्ञानिक ज्ञान है, विशेष रूप से गणित, खगोलशास्त्र, जन्तु-विज्ञान, रसायनशास्त्र, द्रवचालिकी, संगीत, चिकित्सा आदि के बारे में, उसका तादात्म्य आधुनिक विज्ञान और तकनीकी से स्थापित किया जाए और साथ ही विद्यार्थियों और विद्वानों के बीच घनिष्ठ सम्बन्ध स्थापित किया जाए।

03. शासी परिषद ने वेदों के शोध और अनुसन्धान को नवाचार के माध्यम से उच्च स्तर तक के जाने हेतु विस्तृत चर्चा कर आधुनिक ज्ञान-विज्ञान और प्रौद्योगिकी के साथ पारम्परिक ज्ञान को जोडकर समाजोपयोगी शोध करने पर बल दिया तथा शोध कार्यों को करने के लिए सभी विषयों के विशेषज्ञों की एक समिति गठित करने के निर्देश प्रदान किए।

04. प्रतिष्ठान के समीप के गाँव को गोद लेकर वेद और संस्कृत का प्रचार, प्रसार करने का निर्देश दिया।

05. प्रतिष्ठान के वेद परीक्षाओं पर चर्चा करते हुए प्रतिष्ठान के वेद भूषण प्रमाण पत्र को पूर्वमध्यमा/10वीं एवं वेद विभूषण प्रमाण पत्र को उत्तरमध्यमा/प्राक्-शास्त्री/12वीं के समकक्ष उल्लेख सहित प्रमाण-पत्र जारी किए जाने की स्वीकृति दी गई।

06. केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय एवं अन्य सामान्य विद्यालय के छात्रों में वेद ज्ञान को बढावा देने हेतु वेद ओलम्पियाड (वेद सामान्य ज्ञान) परीक्षा कार्यक्रम आयोजित करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

07. देश के बाहर रह रहे भारतीयों /छात्रों के लिए प्रतिष्ठान परिसर में अल्प कालिक वेद अध्ययन कार्यक्रम चलाये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

08. प्रतिष्ठान से वित्तीय सहायता प्राप्त वेद पाठशालाओं एवं गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों का समय-समय पर निरीक्षण किया जाए।

09. भारत की स्वतंत्रता के प्लेटिनम जुबली समारोह वर्ष 2022-23 के अवसर पर वैदिक ज्ञान और परम्परा तथा वेद साहित्य से सम्बन्धित 75 पुस्तकों के प्रकाशन प्रस्ताव को तथा 75 वरिष्ठ वेद पाठियों को सम्मानित करने की स्वीकृति प्रदान की गई।

10. प्रतिष्ठान द्वारा वेदों की लुप्तप्राय/दुर्लभ वेद शाखाओं के पुर्नजीवन हेतु दूरस्थ, पर्वतीय एवं लुप्तप्राय/दुर्लभ शाखाओं के पुर्नजीवन विशेष आर्थिक सहायता के प्रस्ताव पर सिद्धान्त स्वीकृति प्रदान की।

11. प्रतिष्ठान द्वारा संचालित परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्रों को वेद भूषण एवं वेद विभूषण प्रमाण पत्र जारी किए जाते हैं। इन परीक्षाओं को शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार से मान्यता नहीं मिलने पर रोजगार एवं उच्चशिक्षा में दाखिला लेने में कठिनाइयों का सामना करना पडता है। अतः वेद भूषण एवं वेद विभूषण प्रमाण पत्र को क्रमशः 10वीं एवं 12 वीं के समकक्षता की मान्यता प्रदान करने की संस्तुति प्रदान की।

यज्ञ पात्र परिचय

वेदों में यज्ञ का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। यज्ञ में श्रौतसूत्रों की भूमिका प्रधान होती है। इन श्रौतयागों में यज्ञपात्रों का उपयोग किया जाता है। इन यज्ञपात्रों का परिचय तथा उनका विनियोग चित्रों के माध्यम से किया जायेगा। साथ ही साथ दृक्-श्राव्य डीवीडी के और ई-पुस्तक के निर्माण द्वारा इस जानकारी को लोकसुलभ बनाने का प्रयत्न किया जायेगा।

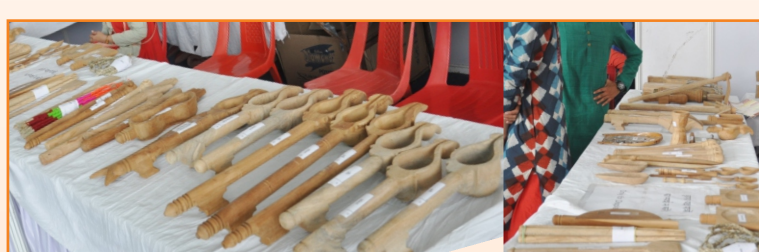

वेद शिक्षकों एवं छात्रों के लिए 'कल्याण कोष' निजी वित्तीय स्त्रोत से बनेगा

ऑनलाईन माध्यम से हुई 43 वीं शासी परिषद की बैठक में लिए गए महत्त्वपूर्ण निर्णय

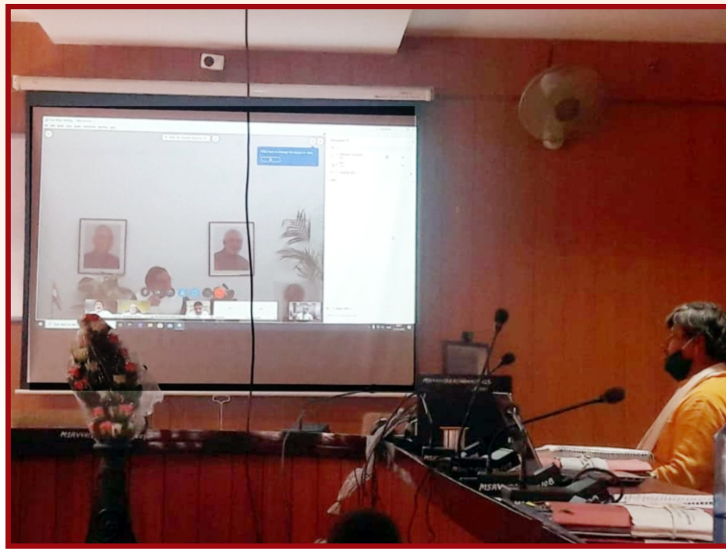

प्रतिष्ठान की दिनांक 17 जुलाई 2020 को माननीय मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय भारत सरकार एवं प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई 43वीं शासी परिषद की बैठक का शुभारंभ प्रो. पी.एन.शास्त्री, प्रो.एस वेणुगोपालन एवं प्रो.विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल ने मंगलाचरण से प्रारम्भ किया। प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष महोदय ने माननीय अध्यक्ष महोदय एवं समस्त उपस्थित माननीय समिति सदस्यों का स्वागत किया। कोविड-19 संक्रमण के कारण बैठक वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। परिषद में हुए कुछ महत्वपूर्ण निर्णय निम्न लिखित है।

01. शासी परिषद ने चारधामों में (उत्तर, दक्षिण, पूर्व और पश्चिम) वैदिक शिक्षा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य तथा शिक्षा के केन्द्र स्थापित करने की दृष्टि से चारो धामों में एक-एक तथा उत्तर-पूर्व में एक राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के प्रस्ताव को सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की। माननीय अध्यक्ष महोदय ने चर्चा में बताया कि देश के चारो धामों में देश के विभिन्न प्रान्तों से श्रद्धालु आते हैं और वहां से प्रेरणा प्राप्त कर जीवन भर वेद से जुडे रहते हैं। यदि वेद का उच्चारण क्रम सही होगा तो उनके मानस पटल पर वेदनाद हमेश गूंजता रहेगा, प्रभावी बनेगा। वेदपाठ की गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए चारो धामों में वेद अध्ययन-अध्यापन की आदर्श-रूप की व्यवस्था आवश्यक प्रतीत होती है। देश के चारों धामों तथा उत्तर-पूर्व में राष्ट्रीय आदर्श वेदविद्यालय की स्थापना हेतु प्रतिष्ठान उपाध्यक्ष महोदय की अध्यक्षता में एक समिति गठित करने के निर्देश प्रदान किए।

02. शासी परिषद के माननीय अध्यक्ष महोदय ने वैदिक शिक्षा के सस्वर वेद अध्ययन-अध्यापन में वर्षो से सेवारत वेद अध्यापकों एवं छात्रों के कल्याण एवं आकस्मिक दुर्घटना, देहांत आदि की स्थिति में मानवीय सहानुभूति से आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान की जा सके इस उद्देश्य से वेद शिक्षकों और छात्रों के लिए निजी वित्तीय स्त्रोत से 'कल्याण कोष' की स्थापना को सैद्धान्तिक स्वीकृति प्रदान की।

03. वेदों में अनुसन्धान के कार्य को करने के लिए वेद एवं संस्कृत के साथ-साथ अन्य विषयों के विद्वानों/प्रोफेसरों/वैज्ञानिकों को जोडकर शोध सम्बन्धी कार्य किए जाएं तथा विभिन्न विषयों की आधारभूत शोध सामग्री एकत्रित कर उस पर शोध कार्य किये जाएंगे।

04. प्रतिष्ठान में वेद के छात्रों को ज्ञान विज्ञान के साथ जोडकर अध्ययन कराया जाए, पाठ्य पुस्तक-अध्ययन सामग्री तैयार करायी जाए। वैदिक ऋचाओं के मंत्रों को और उसमें छिपे ज्ञान को समाज कल्याण के लिए जन-मानस तक पहुंचाया जाए, जिससे भारत के प्रत्येक नागरिक अपने को वेद के धरोहर से गौरवान्वित महसूस कर सकें।

05. 'वेद-विज्ञान से भारत का उत्थान', 'वेद-विज्ञान से मानवता का कल्याण' विषय पर आधारित वर्ष में दो बार विज्ञान भवन, नई दिल्ली में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के वेद सम्मेलन आयोजित किये जाएं। जिसमें देश एवं विदेश के विद्वानों, सभी संस्कृत विश्वविद्यालयों के शोधार्थियों, आचार्यों को जोडा जाए जिससे देश और विदेश में यह संदेश पहुँचे कि वेदों में ही सभी विषय समाहित हैं।

हिन्दी अनुवाद कार्यशाला का आयोजन

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन में हिन्दी अनुवाद कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें केन्द्रीय अनुवाद ब्यूरो, गृह मंत्रालय भारत सरकार, दिल्ली के सेवानिवृत्त वरिष्ठ अधिकारी श्री राकेश पाठक द्वारा आनलाईन व्याख्यान दिया गया। श्री पाठक द्वारा आधुनिक तकनीकी (आनलाईन) के माध्यम से भाषा रूपान्तरण तथा कार्यालयीन कार्य सरलता पूर्वक हिन्दी में सम्पन्न करने की विधि पर प्रतिष्ठान कर्मचारियों एवं अधिकारियों का मार्गदर्शन किया। कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा कार्यशाला में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया गया।

वेद ओलम्पियाड (वैदिक सामान्य ज्ञान) परीक्षाएँ

देश में संचालित केन्द्रीय विद्यालय, नवोदय विद्यालय एवं अन्य राज्य स्तरीय सामान्य विद्यालय तथा अन्य सामान्य विद्यालय जो प्रबन्धन के माध्यम से संचालित है। इन विद्यालयों में प्रत्येक छात्र को उनकी कक्षा के अनुरूप हिन्दी, संस्कृत, अंग्रेजी, सामाजिक विज्ञान तथा अन्य विषयों का अध्यापन कार्य कराया जाता है। इसी के साथ इन विद्यार्थियों को सामान्य ज्ञान के लिए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के सामान्य ज्ञान की प्रतियोगिताओं में भाग लेते हैं। इसी श्रृंखला में महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा वैदिक ज्ञान राशि विस्तारित करने हेतु छात्रों को वेद ओलम्पियाड (वैदिक सामान्य ज्ञान) जिसमें वेद का सामान्य ज्ञान देने के लिए परीक्षा कार्यक्रम को आयोजित किया जाना है। यह आयोजन प्रतिष्ठान में कर्मचारियों की उपलब्धता के आधार पर क्रियान्वित किए जाएंगे।

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा वैदिक परम्परा, वेदपाठियों वेदों के अध्ययन-अध्यापन, शोध कार्यों में लिप्त विद्वानों के मनोबल को बढ़ाने के लिये 16 पुरस्कार निम्न लिखितानुसार हैं:–

अ) ऋग्वेदपाठी विद्वान् के लिये पुरस्कार-

1. महर्षि वेदव्यास पुरस्कार
2. आचार्य पैल पुरस्कार
3. सायणाचार्य पुरस्कार
4. महर्षि दयानन्द पुरस्कार

ब) यजुर्वेदपाठी विद्वान् के लिये पुरस्कार-

1. आचार्य वैशम्पायन पुरस्कार
2. योगीश्वर याज्ञवल्क्य पुरस्कार
3. मुनि भारद्वाज पुरस्कार
4. ऋषिका विश्ववारा पुरस्कार

स) सामवेदपाठी विद्वान् के लिये पुरस्कार-

1. आचार्य जैमिनि पुरस्कार

द). अथर्ववेदपाठी विद्वान् के लिये पुरस्कार-

1. आचार्य सुमन्तु पुरस्कार
2. आचार्य अथर्वाङ्गिरस पुरस्कार

युवा वेदपाठी (चारों वेदों के वेदपाठी आयु सीमा 40 वर्ष तक)

1. मुनि बौधायन पुरस्कार
2. मुनि कात्यायन पुरस्कार
3. ऋषिका गार्गी पुरस्कार
4. मुनि आश्वलायन पुरस्कार
5. पण्डित गुरुदत्त विद्यार्थी पुरस्कार

प्रतिष्ठान की परीक्षाओं को शासी परिषद् द्वारा मान्यता

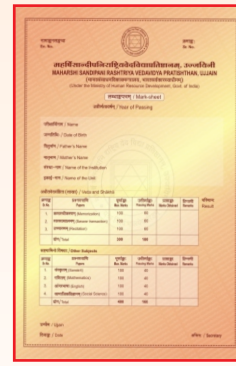

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा संचालित गुरुशिष्य परम्परा इकाई योजना एवं पाठशाला योजना में अध्ययनरत वेद छात्रों की वेद एवं आधुनिक विषयों की परीक्ष प्रतिवर्ष आयोजित की जाती है। प्रतिष्ठान द्वारा वर्ष 1997 से प्रतिवर्ष परीक्षाएँ आयोजित की जा रही है। अभी तक लगभग 40,000 छात्र प्रतिष्ठान का पाठ्यक्रम उत्तीर्ण कर चुके हैं। वर्तमान में प्रतिष्ठान द्वारा देशभर में 95 वेद पाठशालाओं एवं 270 से अधिक गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों में अध्ययनरत छात्रों की 'वेद-भूषण' एवं 'वेद-विभूषण' की परीक्षाएँ आयोजित की जाती हैं।

प्रतिष्ठान की स्थापना के समय से प्रतिष्ठान द्वारा संचालित दो योजनाएँ क्रमशः गुरुशिष्य परम्परा इकाई तथा अनुदानित वेद विद्यालय में षष्ठ वर्षीय वेद संहिता पाठ्यक्रम वेद की उपलब्ध सामान्य तथा 9 शाखाओं में सचांलित था। इस पाठ्यक्रम में उत्तीर्ण छात्रों को वेद विभूषण प्रमाण पत्र दिया जाता रहा है। वर्तमान परिपेक्ष्य में उपर्युक्त पाठ्यक्रम को 2011 -12 से छह वर्ष के स्थान पर सात वर्ष करते हुए प्रथम से पंचम वेद भूषण तथा अंतिम दो वर्ष प्रथम एवं द्वितीय वेद विभूषण पाठ्यक्रम संचालित है। इस पाठ्यक्रम को प्रतिष्ठान की बैठकों में माननीय मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय की अध्यक्षता में वेदभूषण तथा वेद विभूषण को 10 वीं एवं 12 वीं की समकक्षता प्रदान नहीं की थी। प्रतिष्ठान की 42 वीं शासी परिषद की बैठक में दिनांक 17 जनवरी 2020 को माननीय मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं प्रतिष्ठान के अध्यक्ष प्रो.रमेश पोखरियाल 'निशंक' की अध्यक्षता में माननीय उपाध्यक्ष प्रो.देवीप्रसाद त्रिपाठी, संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, श्री संजय कुमार सिन्हा, संयुक्त सचिव एवं वित्त सलाहकार(वित्त विभाग), श्रीमती दर्शना एम. डबराल, उप सचिव (भाषा विभाग) श्रीमती सुमन दीक्षित, कुलपति, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान प्रो पी.एन.शास्त्री, प्रो राममूर्ति चतुर्वेदी, प्रो एस वेणुगोपालन, सचिव महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान उज्जैन प्रो.विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल की उपस्थिति में प्रतिष्ठान की वेद परीक्षाओं पर चर्चा करते हुए प्रतिष्ठान के वेद - भूषण प्रमाण पत्र को पूर्व-मध्यमा / 10वीं एवं वेद-विभूषण प्रमाण-पत्र को उत्तर-मध्यमा / प्राक् - शास्त्री / 12 वीं के समकक्ष उल्लेख सहित प्रमाण-पत्र जारी किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई।

उक्त निर्णय को ध्यान में रखते हुए सत्र 2019-20 में आयोजित वेद-भूषण तथा वेद-विभूषण की अंक-सूची में निम्नानुसार समकक्षता को निर्देशित किया जाएगा।

वेद-भूषण चतुर्थ वर्ष	**पूर्व-मध्यमा प्रथम वर्ष / 9वीं के समकक्ष**
वेद-भूषण पंचम वर्ष	**पूर्व-मध्यमा द्वितीय वर्ष / 10वीं के समकक्ष**
वेद-विभूषण प्रथम वर्ष	**उत्तर-मध्यमा प्रथम वर्ष / 11वीं के समकक्ष**
वेद-विभूषण द्वितीय वर्ष	**उत्तर-मध्यमा द्वितीय वर्ष / 12वीं के समकक्ष**

संस्कृत अध्यापकों हेतु कार्यशाला

- संस्कृत अध्यापको के साथ चिन्तन एवं संस्कृत अध्यापन पर उद्बोधन -

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन में संस्कृत अध्यापकों हेतु विशेष चिन्तन एवं संस्कृत अध्यापन कार्यशाला का आयोजन दयानन्द सभागार में किया गया। जिसमें पद्मश्री सम्मानित श्री चमू कृष्ण शास्त्री, न्यासी सदस्य - संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, नईदिल्ली द्वारा **'सरल-मानक-संस्कृतम्'** विषय पर उद्बोधन दिया गया।

वेद भूषण एवं वेद विभूषण परीक्षा सम्पन्न

कोविड-19 महामारी के कारण ऑनलाईन हुई पुनरीक्षण परीक्षाएँ

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा सप्त वर्षीय पाठ्यक्रम के अंतर्गत वेद-भूषण एवं वेद-विभूषण की परीक्षाएँ प्रतिवर्ष सम्पन्न कराई जाती है। परीक्षा सत्र 2019-20 के अन्तर्गत वेद विभूषण परीक्षा 04 से 13 जनवरी 2020 एवं वेद भूषण प्रथम से पंचम एवं वेद विभूषण प्रथम वर्ष की परीक्षाएँ दिनांक 30 जनवरी से 07 मार्च 2020 तक आयोजित की गई। मुख्य परीक्षा में कुल 6291 छात्र एवं बाह्य परीक्षा के अन्तर्गत कुल 1217 छात्र हैं। जिसमें से प्रथम वर्ष में उत्तीर्ण, प्रोन्नत - 1522 छात्र, द्वितीय वर्ष में उत्तीर्ण, प्रोन्नत - 1108 छात्र, तृतीय वर्ष में उत्तीर्ण, प्रोन्नत -852 छात्र, चतुर्थ वर्ष में उत्तीर्ण, प्रोन्नत - 425 छात्र रहे, पंचम वर्ष में उत्तीर्ण - 312 छात्र, वेद विभूषण प्रथम वर्ष उत्तीर्ण, प्रोन्नत -300 छात्र, वेद विभूषण द्वितीय वर्ष में उत्तीर्ण -230 छात्र। साथ ही बाह्य परीक्षा प्रणाली में प्रथम वर्ष में उत्तीर्ण, प्रोन्नत - 571 छात्र , द्वितीय वर्ष में उत्तीर्ण, प्रोन्नत - 401 छात्र, तृतीय वर्ष में उत्तीर्ण, प्रोन्नत -158 छात्र, चतुर्थ वर्ष में उत्तीर्ण, प्रोन्नत - 35 छात्र, पंचम वर्ष में उत्तीर्ण - 22 छात्र, वेद विभूषण प्रथम वर्ष उत्तीर्ण, प्रोन्नत -13 छात्र, वेद विभूषण द्वितीय वर्ष में उत्तीर्ण -17 छात्र रहें।

कोविड-19 विश्वव्यापी महामारी को दृष्टिगत रखते हुए वर्ष 2019-20 की वेद विभूषण द्वितीय वर्ष में वेद की पुनरीक्षण परीक्षा दिनांक 15 जुलाई से 01 अगस्त 2020 तक ऑनलाईन व्हिडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई। जिसमें वेद परीक्षक पेनल में एक वेद परीक्षक प्रतिष्ठान से एवं एक अन्य बाह्य वेद परीक्षक(सम्भवतः जिनके द्वारा पूर्व में परीक्षा ली गई) ऑनलाईन माध्यम से परीक्षा सम्पन्न कराई गई। वेद पुनरीक्षण परीक्षा में कुल 366 में 80 छात्र उत्तीर्ण एवं 250 छात्र अनुत्तीर्ण रहे एवं 36 छात्र अनुपस्थित रहे। बाह्य परीक्षा प्रणाली में 05 छात्रों में से 1 छात्र उत्तीर्ण रहा। आधुनिक विषय में कुल 95 छात्रों की पुनरीक्षण परीक्षा सितम्बर माह में आयोजित कराई जाएगी।

प्रतिष्ठान में नए पाठ्यक्रमों के अध्ययन की स्वीकृति

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के शासी परिषद ने वेद की उपयोगिता, सार्वभौमिकता के साथ भारतीय संस्कृति की व्यापकता को देखते हुए वेद की अष्टविकृति पाठ परम्परा जैसे पद, क्रम,जटा, घन, ब्राह्मण-ग्रन्थ, प्रातिशाख्य, वेद भाष्य, वेदांग, वेद अध्यापन प्रशिक्षण आदि में नए पाठ्यक्रमों को प्रतिष्ठान मुख्यालय में संचालित करने के प्रस्ताव पर स्वीकृति प्रदान की है। जिसमें वेद मंत्रों के अर्थ को वेद में निहित ज्ञान-विज्ञान को सामान्य जनमानस तक पहुँचाया जा सके।

प्रतिष्ठान द्वारा ऑन-लाईन वेद पारायण का आरम्भ

वेदों के सस्वर संरक्षण एवं संवर्धन के लिए स्थापित महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा देश के विभिन्न प्रान्तों में वैदिक पाठशाला एवं गुरु शिष्य परंपरा इकाइयों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। प्रतिष्ठान द्वारा जन मानस तक वेदों में निर्गत ज्ञान-विज्ञान को जन मानस तक पहुंचाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया (फेसबुक पेज)का निर्माण किया गया है। इस पेज पर उपलब्ध वेद शाखाओं के विद्वानों द्वारा सुबह 11.00 बजे से लाइव वेद पारायण किया जाता है साथ ही प्रतिष्ठान से सम्बन्धित विविध आवश्यक कार्यक्रमों का विवरण दिया जाता है।

प्रतिष्ठान के फेसबुक पेज से जुडने के लिए लाईक बटन पर क्लिक करें

Facebook f महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन

74 वाँ स्वतन्त्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया

प्रतिष्ठान परिसर में परम्परानुसार इस वर्ष भारत का 74 वाँ स्वतन्त्रता दिवस पूर्ण हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। वैश्विक महामारी कोविड-19 को दृष्टि में रखते हुए सोशल डिस्टेंसिंग तथा अन्य सुरक्षा साधनों का उपयोग कर सभी अधिकारियों-कर्मचारियों ने उल्लासपूर्वक इस पावन राष्ट्रीय पर्व में भाग लिया। प्रतिष्ठान के अनुभाग अधिकारी (प्र.) अनूप कुमार मिश्र ने कार्यक्रम का संचालन किया। इस अवसर पर माननीय सचिव महोदय ने अपने उद्बोधन में सर्वप्रथम स्वतंत्रता संग्राम के बलिदानियों का स्मरण किया, आपने कहा कि हमारी दृष्टि व्यापक और उन्नत होना चाहिए संकीर्णता हमारी पहचान कभी नहीं रही है। **'एकोऽहम् बहुश्यां'** सम्पूर्ण देशवासियों का विकास हो तथा हमारी दृष्टि में विश्व चेतना विकास का मार्ग तभी खुलेगा जब सृष्टि के सर्वप्राचीन ज्ञान-विज्ञान का आदि श्रोत, वेदों का अध्ययन अध्यापन का विकास होगा।

वेदवार्ता का अवलोकन करते माननीय मन्त्री

देश में वेद पाठशालाओं/गुरुशिष्य-इकाइयों का सञ्चालन करना तथा वेदों के संरक्षण, संवर्द्धन एवं लुप्त हो रही वेद-शाखाओं को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से प्रतिष्ठान-परिसर सहित सम्बद्ध पाठशालाओं/इकाइयों को सभी प्रकार की सार्वजनिक सूचनाओं के प्रसार हेतु प्रतिष्ठान द्वारा समाचार पत्रिका वेदवार्ता(मासिक) के नाम से प्रकाशन किया जाता है। इस मासिक वेदवार्ता में प्रतिष्ठान द्वारा देश में वर्ष भर तक होने वाले समस्त कार्यक्रमों वैदिक सम्मेलन, संगोष्ठी, गुरुशिष्य इकाइयों एवं पाठशालाओं में होने वाली परीक्षाओं वेदज्ञान सप्ताह, सबके लिए वैदिक कक्षाओं तथा प्रतिष्ठान से सम्बन्धित इकाइयों/पाठशालाओं में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं अन्य विशेष कार्यों की जानकारी मासिक रूप से प्रदान की जाती है। महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के ऐतरेय विद्या भवन स्थित राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के उद्घाटन समारोह में पधारें पूर्व माननीय मन्त्री मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार श्री प्रकाश जावडेकर एवं उज्जैन उत्तर विधायक श्री पारस जैन द्वारा मासिक पत्रिका 'वेदवार्ता' का अवलोकन किया गया।

वेदों के सस्वर संरक्षण एवं संवर्धन के लिए स्थापित महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान द्वारा देश के विभिन्न प्रान्तों में वैदिक पाठशाला एवं गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। वैश्विक महामारी कोविड-19 के समय में भी प्रतिष्ठान द्वारा अनुदानित वैदिक पाठशाला एवं गुरूशिष्य परम्परा इकाई के अध्यापको को मानदेय एवं किन्हीं कारणों से जो वैदिक छात्र इकाई/पाठशालाओं में रह गये, ऐसी परिस्थिति में शपथ-पत्र के अ ाधार पर वैदिक छात्रों को स्वतः व्यय छात्रवृत्ति(अप्रेल-मई) की राशि प्रदान की गई।

33 वाँ स्थापना दिवस पर सर्व वेद शाखा पारायण

वेदों की मौखिक परम्परा के संरक्षण एवं संवर्धन तथा प्रचार-प्रसार में समर्पित वेद विद्या प्रतिष्ठान के 33वें स्थापना दिवस समारोह के अन्तर्गत यत्र विश्वं भवत्येकनीडम् को आत्मसात करते हुए इष्ट प्राप्ति अनिष्ट परिहार हेतु देश के मूर्धन्य वैदिक विद्वानों द्वारा समस्त उपलब्ध शाखाओं में चतुर्वेद पारायण का आयोजन दिनांक 07 अगस्त से 14 अगस्त 2019 तक किया गया। इसी श्रृंखला में दिनांक 12 अगस्त से 18 अगस्त 2019 तक संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में संस्कृत के मूर्धन्य विद्वान श्री चमूकृष्ण शास्त्री, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो.पंकज जानी, विक्रम विश्व विद्यालय के कुलपति प्रो.बालकृष्ण शर्मा तथा प्रतिष्ठान के सचिव प्रो.विरूपाक्ष वि.जड्डीपाल सहित शहर के गणमान्य जन उपस्थित थे। समारोह में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के वेदाध्यापक एवं बटुकगण उपस्थित होकर अपनी सहभागिता का प्रदर्शन किया।

कोविड-19 (विश्व व्यापी महामारी) के कारण प्रतिष्ठान का 34वाँ स्थापना दिवस कार्यक्रम राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के अध्यापकों द्वारा सोशल डिस्टेंसिंग के साथ वेद पारायण कार्यक्रम के साथ किया गया।

प्रतिष्ठान मुख्यालय में देश के मूर्धन्य वैदिक विद्वानों द्वारा वेद की उपलब्ध शाखाओं का पारायण किया गया।

सभी विद्यालयों, गुरुशिष्य परम्पराओं अन्य वैदिक संस्थाओं एवं विद्वानों से अनुरोध है कि, प्रत्येक माह के दिनांक 25 से पूर्व वेदवार्ता में प्रकाशनार्थ अपनी सूचनाएँ, वेद विषयक कार्यक्रम एवं अध्यापक तथा छात्रों द्वारा स्वरचित हिन्दी लेख/कविताएँ, समाचार सचित्र प्रेषित करें।

वेदविद्वज्जन परिचय-कोश

भारत वर्ष में वेदों की अनेक शाखाएँ तथा परम्पराएँ हैं। उन परम्पराओं के अधिकारी वैदिकजनों का सम्पूर्ण परिचय तथा उनके सम्पर्क इस प्रकल्प के द्वारा संकलित किये जायेंगे। प्राथमिक अवस्था में 250 वेदविद्वज्जनों का परिचय इसमें संग्रहीत किया जायेगा।

महर्षि वेद व्यास की प्रतिमा

कृष्णद्वैपायन भगवान् वेदव्यास श्रीमन्नारायण के साक्षात् अवतार हैं। द्वापर तथा कलियुग के सन्धिकाल में अवतार ग्रहण करके आपने सर्वप्रथम यज्ञीयपरम्परा के अधिकारी भेद से अपौरुषेय वेदचतुष्टयी का विभाजन करके होता के लिये ऋग्वेद अध्वर्यु के लिये यजुर्वेद उद्गाता के लिये सामवेद तथा ब्रह्मा के लिये अथर्ववेद का निर्धारण किया।

वेदों के सनातनकाल तक संरक्षण की दृष्टि से आपश्री ने अपने शिष्यों को एक-एक वेद प्रदान किया। जिनके नाम पर प्रतिष्ठान पुरस्कार प्रदान करता है। प्रतिष्ठान परिसर में भगवान् वेदव्यास की आदमकद प्रतिमा की स्थापना प्रस्तावित है।

वेद के महत्त्व को जनसामान्य तक पहुँचाने हेतु

वैदिक मन्त्रोच्चारण की टेप रिकार्डिंग

वेदों की विभिन्न शाखाएँ मौखिक-रूप से भारतवर्ष में प्रचलित हैं, परन्तु उनमें से कुछ शाखाएँ लुप्तप्राय हैं अतः उनका संरक्षण एवं संवर्धन होना अत्यधिक आवश्यक है। इन सभी शाखाओं का ज्ञान सभी को प्राप्त हो, इस हेतु से प्रस्तुत प्रकल्प में चारों वेद और उनकी निम्नलिखित शाखाओं के सन्दर्भ में प्रचलित मौखिक परम्पराओं की परिचयात्मक डीवीडी तथा ई-पुस्तिका निर्माण की जाएगी। प्रत्येक डीवीडी प्रायः 1:30 घंटे की होगी।

ऋग्वेद	1. शाकल शाखा	2. शांखायन शाखा	
कृष्णयजुर्वेद	3. तैत्तिरीय शाखा	4. गद्यात्मक दक्षिण पद्धति	5. मैत्रायणी शाखा
शुक्लयजुर्वेद	6. माध्यन्दिन शाखा	7. काण्व शाखा (काशी-पद्धति)	8. काण्व शाखा (मद्र-पद्धति)
सामवेद	9. कौथुम शाखा	10. राणायनीय शाखा	11. जैमिनीय शाखा
अथर्ववेद	12. शौनक शाखा	13. पैप्पलाद शाखा	14. वेदाङ्ग पारायण

अनुसन्धान केन्द्र

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन द्वारा चारों वेदों की समुपलब्ध शाखाओं तथा उनके वेदाङ्गों के गूढ़तम रहस्यों को उद्घाटित करने के लिये अनुसन्धान केन्द्र की स्थापना की गयी है। इसमें वेदचतुष्टयी के मन्त्रसंहिता, ब्राह्मण, आरण्यक तथा उपनिषदादि में प्रतिपादित दिव्य ज्ञान से जनसामान्य को परिचित कराने के उद्देश्य से वैदिक वाङ्मय के विशेषज्ञ वेदमूर्तियों के मार्गदर्शन में शोधकर्त्ता अनुसन्धान को सम्पादित करेंगे। वैदिक पाण्डुलिपि का अनुवाद आदि कार्य इस केन्द्र से होगा।

प्रशिक्षण केन्द्र

प्रतिष्ठान द्वारा जहाँ एक ओर अनुसन्धान केन्द्र संचालित है वहीं वैदिक शिक्षकों के ज्ञान में वृद्धि करने हेतु उनके लिये प्रशिक्षण की व्यवस्था की गयी है। इसके अन्तर्गत प्रशिक्षण केन्द्र में आमन्त्रित विशेषज्ञ वैदिक विद्वान् प्रत्यक्ष विधि से व्याख्यान आदि के द्वारा चयनित वैदिक शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण प्रदान करेंगे जिससे वैदिक बटुकों को सुगमतापूर्वक गम्भीर ज्ञान प्रदान करने में सहायक सिद्ध हो और उनकी अध्ययन-अध्यापन की क्षमता का विकास हो। वैदिक पाण्डुलिपि का प्रकाशन, वैदिक पाठ्य सामग्री का विकास आदि होंगे।

प्रतिष्ठान द्वारा वेद संरक्षण हेतु आयोजित कार्यक्रम

1. वैदिक संग्रहालय (वैदिक जीवन से जुडे संग्रहालय)
2. ऋग्वेद शांखायन शाखा स्वर संरक्षण योजना
3. सामवेद शाखा संरक्षण योजना
4. शुक्लयजुर्वेद की माध्यन्दिन एवं काण्व शाखा संरक्षण योजना
5. वेद विज्ञान प्रदर्शनी (वेद-विज्ञान की संयुक्त प्रदर्शनी)
6. वैदिक स्वरप्रक्रिया कार्यशाला
7. वैदिक-वनौषधि-प्रात्यक्षिकी कार्यशाला
8. वैदिक गणित कार्यशाला
9. श्रौतप्रक्रिया कार्यशाला
10. यज्ञविद्या पर चिन्तन एवं श्रौतयाग
11. अग्निहोत्र दीक्षा का चित्राङ्कन
12. वेद भाष्यार्थ कार्यशाला

सम्मेलन, वेदज्ञान सप्ताह, संगोष्ठी, एवं सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ सम्पन्न

अखिल भारतीय / क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन

प्रतिष्ठान के कार्यक्रमों में वैदिक सम्मेलनों का महत्त्वपूर्ण स्थान है और यह सम्पूर्ण देश में वैदिक अध्ययन और ज्ञान के प्रचार के प्रमुख साधन हैं। प्रतिवर्ष के कार्यक्रमों में वैदिक सम्मेलनों का महत्त्वपूर्ण स्थान है और ये सम्पूर्ण देश में वैदिक अध्ययन और ज्ञान के प्रचार के प्रमुख साधन हैं। प्रतिवर्ष एक अखिल भारतीय और अन्य क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन आयोजित किये जाते हैं। उद्घाटन और समापन समारोह के साथ ये सम्मेलन त्रिदिवसीय आयोजित किये जाते हैं। ये सम्मेलन आयोजक के रूप में उत्कृष्ट वैदिक संस्थाओं , विश्वविद्यालयों, विद्यापीठों आदि के सहयोग से सम्पन्न किये जाते हैं। उन स्थानों पर, जहाँ ऐसी संस्थाएँ उपलब्ध नहीं हैं, सम्मेलन आयोजित करने के लिए प्रसिद्ध विद्वानों एवं गणमान्य व्यक्तियों की आयोजन-समितियाँ गठित की जाती हैं।

प्राच्य विद्या संस्कृत प्रतिष्ठान कामरूप, गुवाहाटी (असम)-

दिनांक 17 से 19 अगस्त 2018 तक प्राच्य विद्या संस्कृत प्रतिष्ठानम् कामरूप तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन गुवाहाटी में किया गया।

श्री ब्रह्मा वेद विद्यालय, वाराणसी (उत्तरप्रदेश)-

दिनांक 15 से 17 दिसम्बर 2018 तक श्री ब्रह्मा वेद विद्यालय, वाराणसी तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन वाराणसी में किया गया।

आचार्य अभयदेव वेद गुरुकुलम , चरथावल (उत्तरप्रदेश)-

दिनांक 26 से 28 अक्टूबर 2018 तक आचार्य अभयदेव वेद गुरुकुलम्, चरथावल तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन चरथावल में किया गया।

वेदविद्यालय केन्दुझर सिधमठ, पुरुणाबाजार केन्दुझर (ओडिशा)-

दिनांक 29-30 नवम्बर एवं 01 दिसम्बर 2018 तक वेदविद्यालय केन्दुझर सिधमठ, पुरुणाबाजार केन्दुझर तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन केन्दुझर में किया गया।

श्री मन्मध्व सिद्धान्त प्रबोधिनी संस्कृत स्नातकोत्तर केन्द्र, उडुपि (कर्नाटक)-

दिनांक 4 से 6 दिसम्बर 2018 तक श्री मन्मध्व सिद्धान्त प्रबोधिनी संस्कृत स्नातकोत्तर केन्द्र, उड्डपि तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन उडुपि में किया गया।

स्वामी गोविंददेव गिरि वेद संस्कृत पाठशाला, बडोदरा (गुजरात) -

दिनांक 22 से 24 दिसम्बर 2018 तक स्वामी गोविंददेव गिरि देव संस्कृत वेद पाठशाला, बोघोडिया तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन बोघोडिया में किया गया।

जगद्गुरू श्री शंकराचार्य स्वामीगल श्रीमठ, कांचीपुरम (तमिलनाडु)-

दिनांक 31 दिसम्बर 2018 से 2 जनवरी 2019 तक जगद्गुरू श्री शंकराचार्य स्वामीगल श्रीमठम् कांचीपुरम् तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन कांचीपुरम में किया गया।

अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ दिल्ली, शाखा थान्दला, झाबुआ (मध्यप्रदेश)-

दिनांक 11 से 13 जनवरी 2019 तक अखिल भारतीय दयानन्द सेवाश्रम संघ दिल्ली, शाखा थान्दला, झाबुआ तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन झाबुआ में किया गया।

श्री मुनिकुल ब्रह्मचर्याश्रम वेद संस्थान, भीलवाडा (राजस्थान) -

दिनांक 10 से 12 अक्टूबर 2019 तक श्री मुनिकुल ब्रह्मचर्याश्रम वेद संस्थान, बरुन्दनी, भीलवाडा तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

प्राच्य विद्या संस्कृत प्रतिष्ठानम् कामरूप, गुवाहाटी असम तथा त्रिपुरा विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग (त्रिपुरा) -

दिनांक - 20 से 22 सितम्बर 2019 तक प्राच्य विद्या संस्कृत प्रतिष्ठान कामरूप, गुवाहाटी व त्रिपुरा विश्वविद्यालय संस्कृत विभाग त्रिपुरा तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन त्रिपुरा में किया गया।

श्री राजराजेश्वरी विद्या संस्था, सिरसि, (कर्नाटक) -

दिनांक 03 से 04 नवम्बर 2019 तक श्री राजराजेश्वरी विद्या संस्था सिरसि तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन सिरसि में किया गया।

श्री किरातेश्वर शिवमंदिर समिति, लेकसेप (पश्चिम सिक्किम) -

दिनांक 17 से 18 नवम्बर 2019 तक श्री किरातेश्वर शिव मंदिर समिति, लेकसेप पश्चिम सिक्किम तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

श्री स्वामी भगवान भास्करानन्द देवजू महाराज सं.वे.पाठशाला, ऐंचवारा, चित्रकूट (उत्तरप्रदेश)-

दिनांक 28 से 30 नवम्बर 2019 तक श्री सदगुरू चरण सेवा समिति द्वारा संचालित श्री स्वामी भगवान भास्करानन्द देवजू महाराज सं.वे.पाठशाला, ऐंचवारा मानिकपुर, चित्रकूट तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन ऐंचवारा में किया गया।

आर्ष गुरुकुलम तुरंगा, श्री श्री मल्लिका चतुर्भुज धर्मार्थ ट्रस्ट, पडिगांव, जिला रायगढ (छत्तीसगढ) -

दिनांक 29 से 31 जनवरी 2020 तक आर्ष गुरुकुलम तुरंगा श्री श्री मल्लिका चतुर्भुज धर्मार्थ ट्रस्ट, पडिगांव जिला रायगढ के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन किया गया।

श्री हनुमान मंदिर दंदरौआ धाम, मेंहगाव जिला भिण्ड (मध्यप्रदेश) -

दिनांक 07 से 09 फरवरी 2020 तक श्री हनुमान मंदिर दंदरौआ धाम, मेंहगाव जिला भिण्ड तथा प्रतिष्ठान के सं युक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन मेंहगाव में किया गया।

श्री नरहरगुरू वैदिकाश्रम, इन्दौर (मध्यप्रदेश)-

दिनांक 01 से 03 मार्च 2020 तक श्री नरहरगुरू वैदिकाश्रम, इन्दौर तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में क्षेत्रीय वैदिक सम्मेलन का आयोजन इन्दौर में किया गया।

वेद ज्ञान सप्ताह समारोह

प्रतिष्ठान ने वैदिक ज्ञान एवं उसमें निहित मानवीय मूल्यों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के लिए देश के विभिन्न भागों में वेद ज्ञान सप्ताह समारोह मनाने का कार्यक्रम प्रचलित है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य देश में वेदों, वैदिक ज्ञान तथा भारतीय संस्कृति के बारे में जागृति उत्पन्न करना है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रख्यात वैदिक संस्थाओं अथवा विद्वानों के लिये स्वीकार्य नियमों के अनुसार एक पूरे सप्ताह के दौरान ऐसे कार्यकलाप, जैसे कि जन-साधारण की उपयोगिता वाले चुनिन्दा विषयों पर प्रख्यात वैदिक विद्वानों द्वारा व्याख्यान, चित्रों, चार्टो तथा मॉडलों आदि के माध्यम से प्रदर्शनियाँ आयोजित करने, आकाशवाणी तथा दूरदर्शन के नेटवर्क पर वैदिक सूक्तियों से सम्बन्धित उचित संदेशों का प्रसारण करने और विद्वानों को सम्मानित करने के लिए अनुदान दिया जाता है।

स्वैच्छिक कार्यवाही के लिए सामाजिक संगठन सोवा, (ओडिशा)-

दिनांक 3 से 9 सितम्बर 2018 को स्वैच्छिक कार्यवाही के लिए सामाजिक संगठन सोवा, राज-रणपुर, जिला नयागढ, ओडिशा तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन राज-रणपुर, ओडिशा में किया गया।

श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी (ओडिशा)-

दिनांक 15 से 21 सितम्बर 2018 तक श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन पुरी में किया गया।

अमितारंजन शंकरीबाला वेदविद्या मन्दिर, हुगली (पश्चिम बंगाल)-

दिनांक 1 से 7 अक्टूबर 2018 तक अमितारंजन शंकरीबाला वेदविद्या मंदिर, हुगली तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन फुलुई, हुगली, पश्चिम बंगाल में किया गया।

श्री गोपालजीऊ वेद पाठशाला, कटक (ओडिशा) -

दिनांक 16 से 22 दिसम्बर 2018 को श्री गोपालजीऊ वेद पाठशाला ग्राम धारपुर पो. माहांगा जिला कटक तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन धारपुर में किया गया।

साहित्य संस्थान, जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ, प्रताप नगर, उदयपुर (राजस्थान) -

दिनांक 08 से 14 अगस्त 2019 को साहित्य संस्थान, जनार्दनराय नागर राजस्थान विद्यापीठ प्रताप नगर, उदयपुर तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन उदयपुर में किया गया।

श्री श्री विश्वविद्यालय कटक, श्री श्री विहार, कटक (ओडिशा) -

दिनांक 20 से 26 सितम्बर 2019 तक श्री श्री विश्वविद्यालय कटक तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन कटक में किया गया।

श्री जी तकनीकी एवं वाणिज्यिक प्रशिक्षण संस्थान उज्जैन (मध्यप्रदेश) -

दिनांक 06 से 12 जनवरी 2020 तक श्री जी तकनीकी एवं वाणिज्यिक प्रशिक्षण संस्थान उज्जैन तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद ज्ञान सप्ताह का आयोजन उज्जैन में किया गया।

अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी

वैदिक अध्ययन के क्षेत्र में अनुसंधान के प्रोत्साहन के लिए प्रतिष्ठान द्वारा प्राथमिकता के क्षेत्रों में संगोष्ठियाँ आयोजित की जाती है। ये संगोष्ठियाँ प्रतिष्ठान द्वारा पूर्ण अथवा आंशिक रूप से वित्तपोषित की जाती है।

कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक (महाराष्ट्र)-

दिनांक 28-29 सितम्बर 2018 को कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन रामटेक में किया गया।

श्री जयेन्द्र सरस्वती आयुर्वेद कॉलेज और हास्पिटल, नजारथपेट (चैन्नई)-

दिनांक 24-28 अक्टूबर 2018 तक श्री जयेन्द्र सरस्वती आयुर्वेद कॉलेज और हास्पिटल, नजारथपेट तथा प्रतिष्ठान के सुयंक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक कार्यशाला का आयोजन नजारथपेट में किया गया।

दयानन्द चेयर फॉर वैदिक स्टडीज, पंजाब विश्वविद्यालय चण्डीगढ (पंजाब)-

दिनांक 15-16 नवम्बर 2018 तक दयानन्द चेयर फॉर वैदिक स्टडीज, पंजाब विश्वविद्यालय, चण्डीगढ तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन चण्डीगढ में किया गया।

गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय हरिद्वार (उत्तराखण्ड)-

दिनांक 25-27 फरवरी 2019 तक गुरुकुल कांगडी विश्वविद्यालय, हरिद्वार तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन हरिद्वार में किया गया।

वेद विज्ञान गुरुकुलम् वेद विज्ञान शोध संस्थान (कर्नाटक) -

दिनांक 01 से 03 मार्च 2019 तक वेद विज्ञान गुरुकुलम् वेद विज्ञान शोध संस्थान तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन कर्नाटक में किया गया।

श्री पट्टाभिरामशास्त्री वेदमीमांसा अनुसन्धान केन्द्र, वाराणसी (उत्तरप्रदेश)-

दिनांक 04 से 06 मार्च 2019 तक श्री पट्टाभिरामशास्त्री वेदमीमांसा अनुसन्धान केन्द्र, वाराणसी तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन वाराणसी में किया गया।

श्री अरविन्द सोसायटी, पुरुचरी की उज्जैन शाखा, उज्जैन (मध्यप्रदेश) -

दिनांक 01 से 03 नवम्बर 2019 को श्री अरविन्द सोसायटी, पुदुचरी की उज्जैन शाखा तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन उज्जैन में किया गया।

रामजस कॉलेज, मोरिस नगर, दिल्ली विश्वविद्यालय, (दिल्ली)-

दिनांक 07 से 09 नवम्बर 2019 तक रामजस कॉलेज, मोरिस नगर, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक कार्यशाला का आयोजन दिल्ली में किया गया।

उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) -

दिनांक 29-30 नवम्बर 2019 तक उत्तराखण्ड संस्कृत विश्वविद्यालय, हरिद्वार एवं प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन हरिद्वार में किया गया।

नॉर्थ ओडिशा विश्वविद्यालय, बारलपाडा, (ओडिशा) -

दिनांक 02-04 फरवरी 2020 तक नॉर्थ ओडिशा विश्वविद्यालय, बारलपाडा, ओडिशा एवं प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का अयोजन बारलपाडा ओडिशा में किया गया।

श्री पट्टाभिरामशास्त्री वेद मीमांसा अनुसन्धान केन्द्र, वाराणसी (उत्तरप्रदेश)-

दिनांक 21 से 23 फरवरी 2020 तक श्री पट्टाभिरामशास्त्री वेद मीमांसा अनुसन्धान केन्द्र, वाराणसी तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन वाराणसी में किया गया।

श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला, पश्चिम मिदिनापुर, (पश्चिम बंगाल) -

दिनांक 29 से 31 मार्च 2020 तक श्री जयेन्द्र सरस्वती वेद पाठशाला, श्री राम मंदिर, जयन्तीपुर, चन्द्रकोना टाउन, जिला पश्चिम मिदिनापुर पश्चिम बंगाल तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में अखिल भारतीय वैदिक संगोष्ठी का आयोजन पश्चिम मिदिनापुर में किया जाना था (कोविड -19 (कोरोना) वायरस के कारण कार्यक्रम स्थगित किया गया।

सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ

वैदिक अध्ययन तथा तत्सम्बन्धी जानकारी का प्रचार-प्रसार करने के लिए उन सभी को जो इस विषय में रुचि रखते हैं, चाहे भले ही उनके पास कोई शैक्षिक अर्हता न हो, वैदिक कक्षाएँ चलाने की योजना है। इस योजना के अंतर्गत, वेद के सभी विशिष्ट विषयों पर 100 व्याख्यान दिए जाते है, जो प्रत्येक शनिवार तथा रविवार को दो-दो व्याख्यान के रूप में होते है। पाठ्यक्रम का स्वरूप जिसमें व्याख्यान मालाओं के विषय भी शामिल है, का निर्धारण प्रतिष्ठान द्वारा किया जाता है।

अमृतारंजन शंकरीबाला वेदविद्या मन्दिर, फुलुई हुगली (पश्चिम बंगाल) -

दिनांक 15 जुलाई 2018 से 12 जनवरी 2019 तक अमृतारंजन शंकरीबाला वेदविद्या मंदिर, फुलुई हुगली, पश्चिम बंगाल एवं प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में सभी के लिये वैदिक कक्षाएँ आयोजित की गई। 100 वेद की कक्षाओं में पश्चिम बंगाल के भिन्न-भिन्न विद्वानों द्वारा वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद् भाष्य के विभिन्न ग्रन्थों तथा धर्म ग्रन्थों के भिन्न-भिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये। डॉ.एम.अधिकारी ने विद्वानों एवं भाग लेने वाले वेद प्रेमियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया।

आदर्श सेवा संस्थान, बाराबंकी (उत्तरप्रदेश)-

दिनांक 2 अगस्त 2018 से 31 मार्च 2019 तक आदर्श सेवा संस्थान, ग्राम डीह, अशोकपुर चाचू सराय, पो.सिरोंलीकलां, बाराबंकी तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में सभी के लिये वैदिक कक्षाएँ आयोजित की गयीं। जिसके अन्तर्गत वेद के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये।

राकावत देशस्थ ऋग्वेदी ब्राह्मण महासभा संस्था ऋग्वेदी ब्राह्मण गायत्री मन्दिर, बीकानेर (राजस्थान)-

दिनांक 15 सितम्बर 2018 से 02 मार्च 2019 तक राकावत देशस्थ ऋग्वेदी ब्राह्मण महासभा संस्था ऋग्वेदी ब्राह्मण गायत्री मंदिर, गोगा गेट बाहर के बाहर बीकानेर तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में सभी के लिये वैदिक कक्षाएँ आयोजित की गयी।

श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री विहार पुरी (ओडिशा) -

दिनांक 27 सितम्बर 2018 से 14 मार्च 2019 तक श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पीजी टीचिंग डिपार्टमेंट वेद, श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीविहार पुरी तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में सभी के लिये वैदिक कक्षाएँ आयोजित की गयी।

राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति (आन्ध्रप्रदेश) -

दिनांक 10 अगस्त 2019 से 10 नवम्बर 2019 तक राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ, तिरुपति आन्ध्रप्रदेश एवं महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान, उज्जैन के संयुक्त तत्त्वावधान में सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ आयोजित की गई। जिसके अन्तर्गत वेद के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये गए।

भारतीय विद्या भवन (नई दिल्ली) -

दिनांक 14 सितम्बर 2019 से 07 मार्च 2020 तक भारतीय विद्या भवन, नईदिल्ली तथा प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ आयोजित की गई। जिसके अन्तर्गत वेद के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये गए।

गौदिया मिशन प्राच्य विद्यापीठ शोध संस्थान, श्री गौदिया मठ, बागबाजार, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) -

दिनांक 16 सितम्बर 2019 से 14 दिसम्बर 2019 तक गौदिया मिशन प्राच्य विद्यापीठ शोध संस्थान, श्री गौदिया मठ, बागबाजार, कोलकाता (पश्चिम बंगाल) एवं प्रतिष्ठान के संयुक्त तत्त्वावधान में सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ आयोजित की गई। जिसके अन्तर्गत वेद के विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत किये।

वैदिक जगत को राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय की सौगात

प्रतिष्ठान के अध्यक्ष व माननीय मन्त्री, मानव संसाधन विकास मन्त्रालय, भारत सरकार श्री प्रकाश जावडेकर द्वारा उद्घाटन

वैदिक यज्ञपात्र प्रदर्शनी का अवलोकन करते माननीय मंत्री महोदय

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान – परिसर स्थित 'ऐतरेय विद्या भवनम्' (वेद पाठशाला भवन) में राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय का उद्घाटन दिनांक 27 सितम्बर 2018 को श्रीमान प्रकाश जावड़ेकर, तत्कालीन मानव संसाधन–विकास मन्त्री एवं अध्यक्ष मसारावेविप्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्रीमान् पारस जैन, मध्यप्रदेश शासन के माननीय ऊर्जा मन्त्री, डॉ. मोहन यादव, विधायक उज्जैन दक्षिण, प्रो. रवीन्द्र मुळे प्रतिष्ठान के माननीय उपाध्यक्ष, प्रो. विरूपाक्ष वि. जड्डीपाल्, सचिव मसारावेविप्र आदि गणमान्यजन उपस्थित थे । पाठशाला में उपलब्ध 8 वेद शाखाओं तथा आधुनिक विषयों (संस्कृत, गणित, विज्ञान, सामाजिक विज्ञान, अंग्रेजी, योग) का अध्यापन हो रहा है।

अखिल भारतीय स्तर पर सनातन आर्ष वैदिक पारम्परिक ज्ञान के संरक्षण एवं संवर्धन की दृष्टि से मानव संसाधन विकास मन्त्रालय नई दिल्ली द्वारा प्रवर्तित महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान उज्जैन द्वारा 94 पाठशालाएँ तथा 265 गुरु शिष्य परम्परा इकाइयों में वेद शिक्षण केन्द्र संचालित किया जा रहा है। वेदों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रतिष्ठान के परिसर में भी वैदिक ज्ञान-विज्ञान का पारम्परिक अध्ययन-अध्यापन समुचित रीति से सम्पादन करने के लिए उदात्त संकल्पनानुसार सुविधा सम्पन्न ऐतरेय विद्या भवन में 'राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय' का शुभारम्भ किया गया।

आदर्श वेद विद्यालय के स्थापना की परिकल्पना वर्ष 1998 में की गई थी। 25 अक्टूबर 1998 में सम्पन्न शासी परिषद् की बैठक में नवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान प्रतिष्ठान को स्वयं के पाँच आदर्श वेद विद्यालय स्थापित करने का निर्णय लिया गया था। आदर्श वेद विद्यालय की स्थापना हेतु विगत 20 वर्षो से प्रतिष्ठान प्रयत्नशील रहा। दिनांक 14 दिसम्बर 2017 तथा दिनांक 24 मई 2018 को आयोजित शासी परिषद् की बैठक में प्रतिष्ठान द्वारा तैयार किये गए नीति-दिशा निर्देश का अनुमोदन किया गया। जिसके अनुसार राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय पूर्ण रूप में संविदात्मक माडल के आधार पर है।

तद्नुसार राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय का दिनांक 27 सितम्बर 2018 को प्रतिष्ठान के माननीय अध्यक्ष एवं माननीय मन्त्री प्रकाश जावडेकर जी के द्वारा शुभारम्भ किया गया। वर्ष 2018-19 से प्रारम्भ होने वाले राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय के प्रथम वर्ष में वेदभूषण उत्तीर्ण छात्र को छठवे वर्ष के लिए वेद विभूषण हेतु योग्यता के आधार पर प्रवेश दिया गया। राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय में प्रवेश हेतु किसी प्रकार का शुल्क नहीं लिया जाता है। यह आवासीय विद्यालय है। विद्यार्थियों पर होने वाले समस्त व्यय का वहन भारत सरकार के अनुदान से प्रतिष्ठान द्वारा किया जाता है।

राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय में वैदिक संस्कृति एवं ज्ञान के अनुरूप वास्तविक परम्परागत तथा उच्च अनुशासन का पालन करने वाला जीवन है। छात्र पारम्परिक वेशभूषा में रहते है। परिधान प्रतिष्ठान के द्वारा प्रदान किया जाता है। छात्रों को वेद के अतिरिक्त संस्कृत, अंग्रेजी,गणित, विज्ञान, सामान्य विज्ञान, कम्प्यूटर, योग आदि विषयों का भी अध्ययन एवं अभ्यास कराया जाता है। राष्ट्रीय आदर्श वेद विद्यालय में वेद की मौखिक परम्परा में उपलब्ध 8 शाखाओं का पारम्परिक सस्वर अध्यापन कराया जा रहा है।

वैदिक डाइरेक्टरी की निर्माण योजना

वैदिक सस्वर उच्चारण की मौखिक परम्परा को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए वैदिक विद्वानों की निर्देशिका तैयार कर उसमे शाखागत विद्वानों की जानकारी प्रस्तुत की गई है। वस्तुतः इस प्रकार की वैदिक विद्वत निर्देशिका की मांग पर्याप्त समय से ही की जा रही थी, जिसका कार्यान्वयन किया जा रहा है।

प्रतिष्ठान द्वारा सभी के लिए वैदिक कक्षाएँ संचालित

प्रतिष्ठान के शहर के मध्य स्थित कार्यालय में प्रति शनिवार-रविवार को वैदिक विद्वानों द्वारा विभिन्न विषयों पर व्याख्यान आयोजित किये जाते हैं

महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान का पुराना भवन जो उज्जैन विकास प्राधिकरण बी विंग, द्वितीय तल पर स्थित सभागार में सभी नगर वासियों एवं प्रबुद्धजनों को वेदों में निहित ज्ञान-विज्ञान, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय चेतना के ज्ञान से परिचय कराने के उद्देश्य से दिनाङ्क 16-2-2019 से प्रत्येक शनिवार एवं रविवार को सभी के लिए वैदिक कक्षा आयोजित की जाती है। प्रत्येक शनिवार-रविवार को देश के विभिन्न वैदिक विद्वानों द्वारा अलग-अलग विषयों पर व्याख्यान होते हैं। सभी के लिए वैदिक कक्षा में शहर के प्रबुद्ध गणमान्यजन उपस्थित होकर व्याख्यान का लाभ लेते हैं।

सभी के लिए वैदिक कक्षाओं के विभिन्न व्याख्यानों को शहर के प्रमुख समाचार पत्रों में विशेष स्थान दिया गया जिसकी कुछ झलकिंयाँ

अंग्रेजीकाल में वैदिक ज्ञान उपेक्षित रहा

www.freepressjournal.in FREE PRESS
SUNDAY | JUNE 2, 2019 | INDORE

Discourse on 'Vedas' held

Maharshi Sandipani Rashtriya Veda Vidya Prathisthann held a discourse on 'Vedas' at Bharatpuri on Saturday. Addressing the programme, scholar Dr Tukaram Mule underlined 'smart karma' and said that life could be made stress-free and healthy by adopting values and the life style mentioned in Vedas. He said by offering water to the Sun negativities of daily life can be curbed and chanting of Gayatri mantra sharpens mind and increases self-consciousness. Organising functionary CP Nagar said that Anandilal Joshi, Navneet Mehta, Sanjay Mishra, JP Chaturvedi, DK Kshirsagar, Surendra Chawda and other scholars attended the programme. The programme was conducted by Kunjbihari Pande.

मनुष्य की जिज्ञासाओं का उत्तर वैदिक दर्शन है

अकबर को सांस्कृतिक प्रेरणा विक्रमादित्य से मिली-राजपुरोहित

सत्य मार्ग पर चलने की प्रेरणा वेदों से मिलती है

'Samveda can cure depressed persons'

FP NEWS SERVICE
Ujjain

Young scholar Pt Saurabh Nautiyal has said that the Samveda is a genesis of music and 1875 of its mantras have a capacity to cure a person suffering from mental sorrows and depression.

Addressing the participants of weekly Ved Pathshala programme conducted by Maharishi Sandipani Rashtriya Vedvidya Pratishthanam on Sunday, Pt Nautiyal said to know, to think and get benefitted is the essence of Vedas.

The programme began with traditional lighting of lamp before the portrait of Goddess Saraswati. Anandilal Joshi, Navneet Mehta, Suresh Chandra Chawda and Chandra Prakash Nagar were among those who attended the programme.

दबंग दुनिया

संध्या वंदन चर्चा का नहीं, पालन का विषय है

मन, शरीर व इंद्रियों का शुद्धिकरण है श्रावणी उपाकर्म

महर्षि सांदीपनि राष्ट्रीय वेद विद्या प्रतिष्ठान के व्याख्यान में आचार्य पांडेय ने कहा

शुद्ध वायु का अमृत नाभि से हृदय होता शीतल- शुक्ल

अर्पण, तर्पण व समर्पण जीवन में आवश्यक-प्रो. वीरूपाक्ष

अकबर को सांस्कृतिक प्रेरणा विक्रमादित्य से मिली : राजपुरोहित

सामवेद में मानसिक अवसाद का समाधान निहित- नौटियाल

दैनिक भास्कर

वैदिक कर्मों के त्याग से भारतीय संस्कृति का ह्रास- डॉ. मूले

वैदिक कक्षाओं में वैश्विक शांति पर व्याख्यान

वैदिककालीन शिक्षा का आधार पुस्तकीय ज्ञान नहीं था

दबंग दुनिया

विवेक-वैराग्य संपन्न व्यक्ति ही ब्रह्मज्ञान का अधिकारी

वेदविद्या के प्रचार एवं प्रसार हेतु विभिन्न योजनाएँ

वेद-सन्देश यात्रा योजना

वेदविद्या के प्रचार एवं प्रसार हेतु देश के विभिन्न भागों में अपौरुषेय वेदों में निहित समस्त मानव-कल्याणकारी सन्देशों को पहुँचाने के लिए 'वेद-सन्देश यात्रा' योजना का सूत्रपात किया गया है। इस योजना में प्रतिवर्ष दस लाख रुपये का अनुदान प्राप्त होगा। वैदिक विद्वान् एवम् उनके सुयोग्य शिष्यों -छात्रों को निर्धारित सम्भावना राशि के साथ इस योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

वेदपारायण योजना

इस योजना के अन्तर्गत जो वैदिक विद्वान् अपने अभीष्ट स्थानों पर नियमित वेदपारायण करेंगे। उन्हें इसके लिए निर्धारित सम्भावना राशि का लाभ प्राप्त होगा। इस योजना की सम्पूर्ण जानकारी निकट भविष्य में प्रतिष्ठान की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी जायेगी।

वेदार्थ पाठशाला योजना

इस योजना के अन्तर्गत वेदभाष्यों का अध्ययन कराने हेतु एक वेदाध्यापक के अन्तर्गत न्यूनतम दस छात्रों को अध्ययन कराने की योजना सम्भावित है। इसकी सम्पूर्ण जानकारी निकट भविष्य में प्रतिष्ठान की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी जायेगी।

वेद विद्या प्रतिष्ठान का भावी दृष्टि-पथ

1. महर्षि सान्दीपनि राष्ट्रीय वेदविद्या प्रतिष्ठान के वेदभूषण एवं वेद-विभूषण पाठ्यक्रमों को मान्यता प्राप्त करना –

प्रतिष्ठान वेद पाठशाला एवं गुरुशिष्य परम्परा योजना के माध्यम से वेद-भूषण (5 वर्ष) तथा वेद-विभूषण अतिरिक्त (2 वर्ष) कुल 7 वर्षों का वेदाध्ययन पाठ्यक्रम संचालित करता है। इस पाठ्यक्रम के 5 वर्षीय वेद-भूषण अध्ययन पूर्ण करने पर स्कूली शिक्षा के 10 वीं समतुल्य तथा 2 वर्षीय वेद-विभूषण पूर्ण करने पर स्कूली शिक्षा के 12 वीं के समतुल्य माना जाता है। प्रतिष्ठान के इस पाठ्यक्रम को 10 वीं एवं 12 वीं के समतुल्य मान्यता प्रदान करने के लिए मामला मंत्रालय में विचाराधीन है।

2. संगठन ज्ञापन (MOA), भर्ती नियम, सेवा नियमों में भविष्योत्तर अनुकूल संशोधन तथा पद सृजन –

प्रतिष्ठान में नियमित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की बहुत ही कमी है। प्रतिष्ठान के बढ़े हुए बजट को ध्यान में रखते हुए प्रशासनिक एवं वित्त सम्बन्धी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की आवश्यकता है। प्रतिष्ठान की महासभा की बैठक माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री जी की अध्यक्षता में दिनांक 14 दिसम्बर 2017 को आयोजित की गई थी, जिसमें कुछ पदों का सृजन करने की स्वीकृति प्रदान की गई थी, परन्तु प्रतिष्ठान के सृजित पद एवं रिक्त पदों पर सेवा नियमों में संशोधन के पश्चात् ही भर्ती की जा सकती है। मामला मंत्रालय में विचाराधीन है।

3. भारत वर्ष में नवीन गुरुशिष्य परम्परा इकाइयों को प्रारम्भ करना –

प्रतिष्ठान की गुरुशिष्य परम्परा योजना के अन्तर्गत वेदाध्ययन की मौखिक परम्परा का संरक्षण एवं संवर्धन किये जाने की महत्त्वपूर्ण योजना है। पूरे भारत वर्ष से योजना में सम्मिलित होने के लिए आवेदन प्राप्त हो रहे हैं। प्रतिष्ठान को नई गुरुशिष्य इकाइयों को प्रारम्भ करने की स्वीकृति की आवश्यकता है।

4. अन्तर्राष्ट्रीय वेद विद्या केन्द्र –

भारत मूल के अनिवासीय भारतीय भारत के बाहर 3 करोड़ से ज्यादा की संख्या में है। उन्हें वेद अध्ययन से जोड़ना, प्रतिष्ठान में उन्हें पठन-पाठन की सुविधा उपलब्ध कराना।

5. प्रतिष्ठान परिसर में आडिटोरियम ध्यान मण्डप एवं यज्ञशाला निर्माण –

प्रतिष्ठान परिसर में आने वाले वेद पाठियों, वैदिक विद्वानों के लिए आडिटोरियम, ध्यान मण्डप एवं यज्ञशाला निर्माण कराना।

6. भारत के प्रत्येक जनपद में वसंत वेद शिविर एवं वैदिक संस्कृति शिविर का आयोजन करना।

वेद के प्रचार प्रसार को ध्यान में रखते हुए वंसत वेद शिविर एवं वैदिक संस्कृति शिविर का आयोजन प्रत्येक जनपद में कराना।

प्रेषक / From

महर्षि-सान्दीपनि-राष्ट्रीय-वेदविद्या-प्रतिष्ठान
MAHARSHI SANDIPANI RASHTRIYA VEDAVIDYA PRATISHTHAN
(शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का स्वायत्तशासी संस्थान)
(Autonomous Organisation under Ministry of Education, Govt of India)

वेदविद्या मार्ग, चिन्तामण गणेश, पो. ऑ. जवासिया, उज्जैन (म.प्र.) 456006
Vadvidya Marg, Chintaman Ganesh, Post. Jawasia, Ujjain 456006 (M.P.)
Phone : (0734) 2502266,2502254, Fax : (0734) 2502253
E-mail : msrvvpujn@gmail.com, website - www.msrvvp.ac.in

सेवा में / To, | Book-Post